समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

10 रन आ गए थे रोहित भाई': दो साल बाद भी 19 नवंबर की टी-20 वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी की यादे ं

Sanket Morankar

Published on 19 Nov 2025

दो साल पहले 19 नवंबर 2023 की रात भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक ऐसा दिन था जिसे भूल पाना मुश्किल है। उस रात **भारत का वर्ल्ड कप अभियान अचानक थम गया** और एक पूरे देश के क्रिकेट प्रेमियों के दिलों में दर्द की लकीरें छोड़ गईं।

18 नवंबर की रात तक भारतीय फैन्स को पूरा विश्वास था कि 2023 वर्ल्ड कप का ट्रॉफी घर पर जाएगी। वे पटाखों की रोशनी, इंडिया गेट के पास नीले रंग की लहर, और एक हर्षोल्लास भरा सोमवार का सपना देख रहे थे। उन्हें लगा कि 2003 का दर्द अब खत्म होगा, विराट कोहली और रोहित शर्मा ट्रॉफी को एक साथ उठाएंगे और भारत को 12 साल बाद आईसीसी खिताब की खुशी महसूस होगी।

लेकिन खेल की दुनिया अक्सर क्रूर होती है। दस लगातार मैचों में भारत ने विरोधी टीमों को मात दी, उन्हें दबाया और पल-पल में उनका खेल नियंत्रित किया, लेकिन **फाइनल मे पंरिणाम विपरीत** रहा। ऑस्ट्रेलिया को हर कोई हारने वाला नहीं मान रहा था, पर वही हुआ। "**दिल टूटा है रोहित शर्मा का**" यह लाइन उस रात जितनी सटीक थी, उतनी शायद कभी नहीं रही।

रोहित शर्मा ने पूरे टूर्नामेंट में अपने अनुभव और संयम का प्रदर्शन किया। उन्होंने टीम को हर चुनौती से लड़ने के लिए प्रेरित किया, लेकिन आखिरी ओवर में टीम को 10 रन की कमी के साथ हार का सामना करना पड़ा। KL राहुल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और विराट कोहली जैसे खिलाड़ी मैदान पर पूरी ताकत झोंकते हुए भी अंतिम सफलता नहीं पा सके।

मुकाबले के बाद का दृश्य बेहद भावुक था। राहुल घुटनों पर बैठ गए, बुमराह ने सिराज को सांत्वना दी, कोहली ने कैप के नीचे चेहरा छुपाया और रोहित शर्मा आंखों में आंसू लिए ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर ड्रेसिंग रूम में चले गए। वह रात भारतीय क्रिकेट के इतिहास में एक **भयानक लेकिन यादगार** मोड़ के रूप में दर्ज हुई।

हार के बावजूद, भारतीय क्रिकेट ने अगले नौ महीनों में दो ICC खिताब अपने नाम किए: **टी-20 वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी**।

विराट कोहली और रोहित शर्मा ने अंततः अपने करियर की सबसे भावुक जीत का अनुभव किया, आंसू और तिरंगे के साथ। राहुल द्रविड़ भी 2007 की दुखद हार के बाद, इस बार विजेता कोच के रूप में लौटे।

फिर भी, हर साल 19 नवंबर आते ही वह दर्द और यादें ताजा हो जाती हैं। इंस्टाग्राम पर "**10 रन आ गए थे रोहित भाई**" जैसी रीलें हर साल दिखाई देती हैं। घर पर वर्ल्ड कप केवल एक या दो बार ही आता है, इसलिए उस रात की यादें हमेशा खास बनी रहती हैं।

2003 में भी भारत को वर्ल्ड कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी। तब की हार को लोग धीरे-धीरे स्वीकार कर पाए। लेकिन 2023 में स्थिति अलग थी। उस साल भारत ने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका को हराया था और केवल एक रात की चूक ने उन्हें फाइनल हार का सामना कराया। Travis Head, Glenn Maxwell और अन्य खिलाड़ी विरोधी टीम के पल-पल को बदलने में सफल रहे।

भारत ने अधिक सीमाएँ प्राप्त कर सकती थी, और कुछ गेंदबाजों को रोकना आसान था। लेकिन क्रिकेट का जादू और खेल की अनिश्चितताएं किसी भी समय कहानी बदल सकती हैं।

19 नवंबर 2023 का दिन केवल हार का दिन नहीं था। यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक **यात्रा, संघर्ष और सीख** की कहानी भी है। हार और जीत दोनों के अनुभव ने टीम इंडिया को आने वाले टूर्नामेंट्स के लिए मानसिक मजबूती और रणनीतिक समझ दी।

दो साल गुजरने के बावजूद, "**10 रन आ गए थे रोहित भाई**" अब भी फैन्स के दिलों में गूंजती है। उस टूर्नामेंट की यादें, विराट कोहली और रोहित शर्मा का संघर्ष, और टीम की मेहनत हमेशा भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी।

जो था, जितना था... बेहतरीन और बेइंतहा खूबसूरत था।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.